इडी का छापा और राजस्थान का चुनाव

क्या किसी राज्य के विधानसभा चुनाव में इडी की निर्णायक भूमिका हो सकती है। आसान शब्दों में कहा जाये कि क्या किसी राज्य के विधानसभा चुनावों के नतीजों को इडी के छापे पलट देने की क्षमता रखते हैं। राजस्थान में इडी के ताजा छापों के बाद भाजपा और कांग्रेस ने जिस तरह से बवाल मचाया है, उसे देखते हुए इस सवाल का जवाब दिलचस्प हो गया है। दोनों दल इडी के छापों का अपने-अपने हिसाब से चुनावी लाभ उठाने में लगे हैं। दिलचस्प है कि दोनों के पास ठोस तर्क भी हैं। भाजपा को छापों के साथ ही अशोक गहलोत सरकार को पेपर लीक मामले में फंसा कर युवा वोटरों को लुभाने का मौका मिल गया है। अशोक गहलोत इन छापों को महिलाओं, दलितों, गरीबों और मध्यम वर्ग को दी जाने वाली राहत के खिलाफ भाजपा की साजिश बताने में जुटे हैं। यहां यह साफ कर देना जरूरी है कि राजस्थान में चुनाव महिलाओं, युवा वोटर और फ्लोटिंग वोटर के त्रिकोण में सिमट कर रह गया है। इडी ने मुख्यमंत्री गहलोत के बेटे वैभव को 12 साल पुराने फेमा से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है तो प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां पेपर लीक मामले में छापेमारी की है। इसके अलावा एक ऐसे निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश हुड़ला के यहां भी छापे मारे हैं, जो हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। गहलोत ने इसे दिल से लिया है और दिमाग से भाजपा का सामना करने का फैसला किया है। गहलोत ने छापों के अगले ही दिन 5 नयी गारंटी की घोषणा कर दी है जिसमें दो रुपये किलो की दर से गोपालकों से गोबर खरीदना भी शामिल है। गहलोत ईडी के खिलाफ पार्टी के विरोध प्रदर्शन तक में शामिल हुए हैं जो बताता है कि वह आपदा में अवसर देख रहे हैं। राजस्थान में महिला वोटर पुरुषों के मुकाबले 20 लाख कम है। कुल 5 करोड़ 20 लाख वोटरों में पुरुष 2.73 करोड़ हैं, तो महिला वोटर 2.53 करोड़ ही हैं लेकिन जब वोट देने की बारीआती है, तो महिला वोटर बाजी मार ले जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में करीब पुरुषों का वोट फीसदी करीब 73 था तो महिलाओं का 74 फीसदी पार। जिस राज्य में पिछला चुनाव कांग्रेस महज 0.54 फीसदी से चुनाव जीती हो वहां महिला वोटर की भूमिका इस लिहाज से महत्वपूर्ण हो जाती है। गहलोत का पूरा ध्यान महिला वोट पर है। इसलिए वह इडी के छापों को महिला और गरीब वोटरों के पक्ष में की जा रही गारंटियों के खिलाफ बता रहे हैं। भाजपा को महिला और गरीब विरोधी बताने की कोशिश कर रहे हैं।

राजस्थान में इडी के ताजा छापों के बाद भाजपा और कांग्रेस ने जिस तरह से बवाल मचाया है, उसे देखते हुए इस सवाल का जवाब दिलचस्प हो गया है। दोनों दल इडी के छापों का अपने-अपने हिसाब से चुनावी लाभ उठाने में लगे हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

यूपीआइ का उपयोग रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक सभी स्तरों पर किया जाता है। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार, आज भारत दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश है। वैश्विक स्तर पर होने वाले डिजिटल लेन-देन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 46 प्रतिशत है। भारत के बाद ब्राजील, चीन, थाइलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देश आते हैं। वर्ष 2016 में मात्र दस लाख लेनदेन से आगे बढ़ते हुए यूपीआइ ने अब तक 10 बिलियन (1,000 करोड़) लेनदेन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है।

भारत का यूपीआइः एक विश्वस्तरीय अग्रणी डिजिटल भुगतान प्रणाली

पीआइबी

हाल के वर्षों में यदि किसी भारतीय नवाचार ने वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोरी हैं, तो वह निस्संदेह यूपीआइ (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) भुगतान प्रणाली है। आज, भारत में किये जाने वाले कुल भुगतानों में से 40 प्रतिशत से अधिक भुगतान डिजिटल माध्यम से किए जाते हैं। इन डिजिटल भुगतानों में यूपीआइ की हिस्सेदारी सबसे अधिक है, जिसका उपयोग 30 करोड़ से अधिक व्यक्ति और पांच करोड़ से अधिक व्यापारी करते हैं।

यूपीआइ का उपयोग रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक सभी स्तरों पर किया जाता है। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार, आज भारत दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश है। वैश्विक स्तर पर होने वाले डिजिटल लेन-देन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 46 प्रतिशत है। भारत के बाद ब्राजील, चीन, थाइलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देश आते हैं। वर्ष 2016 में मात्र दस लाख लेनदेन से आगे बढ़ते हुए यूपीआइ ने अब तक 10 बिलियन (1,000 करोड़) लेनदेन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है।

यूपीआइ के साथ रुपे क्रेडिट कार्ड को जोड़ना डिजिटल भुगतान परिदृश्य में एक क्रांतिकारी कदम है।

यूपीआइ से जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह भारतीयों के लेन-देन के तरीकों से संबंधित है। ग्लोबल डेटा रिसर्च के अनुसार, 2017 में लेनदेन की कुल मात्रा में नकद की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 60 प्रतिशत से भी कम रह गयी है। वर्ष 2016 में 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद होने के छह महीने के भीतर, यूपीआई पर कुल लेन-देन की मात्रा 2.9 मिलियन से बढ़कर 72 मिलियन हो गयी। वर्ष 2017 के अंत तक, यूपीआइ लेनदेन पिछले वर्ष की तुलना में 900 प्रतिशत बढ़ गया और तब से इसने अपने विकास की गति जारी रखी हुई है।

भारत का सुदृढ़ डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर यूपीआइ की सफलता के बाद, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) ने भुगतान प्रणाली को देश के बाहर ले जाने के लिए 2020 में एनआइपीएल (एनपीसीआइ इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड) नामक शाखा की स्थापना की।

यूपीआइ अविश्वसनीय रूप से उपयोगकर्ता के अनुकूल है। यह उपयोगकर्ताओं को वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) का उपयोग करके सरल तरीके से भुगतान की सुविधा देता है, जिससे संवेदनशील बैंक विवरण साझा करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह प्रक्रिया उतनी ही सरल है, जितना स्मार्टफोन पर टेक्स्ट मैसेज भेजना। इसका असर सुविधा मिलने के अलावा, वित्तीय समावेशन में योगदान, पारदर्शिता और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कमी तक हुआ है।

यूपीआइ की वृद्धि ने न केवल भुगतान के लिए नकदी का बड़े पैमाने पर उपयोग कम कर दिया है, बल्कि डिजिटल भुगतान की अन्य विधियों का भी स्थान ले लिया है। उदाहरण के लिए, मर्चेंट भुगतान के लिए डेबिट कार्ड का उपयोग साल-दर-साल कम हो रहा है, और यूपीआइ ने आज प्रीपेड वॉलेट तक पहुंच स्थापित करने का तरीका भी बदल दिया है। जैसे-जैसे यूपीआइ का विस्तार और परिवर्तन जारी रहेगा, यह भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता न केवल डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे की मजबूती में निहित है, बल्कि व्यवहारिकता में भी है जिसने लोगों को नकदी से डिजिटल की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया। किसी भी व्यवहारिक परिवर्तन की तरह, इसे ज्ञान आधारित नवाचारों के माध्यम से व्यवस्था की विश्वसनीयता और पहुंच पर आधारित होना चाहिए जो इसके मुख्य समूह की प्रासंगिकता सुनिश्चित करता है। इनमें भुगतान ऐप्स द्वारा प्रदान किये गये छोटे वॉयस बॉक्स और दिलचस्प नये नवाचार शामिल हैं, जहां सिरी जैसी आवाज बताती है कि क्यूआर कोड द्वारा प्रत्येक भुगतान के साथ तत्काल कितनी राशि प्राप्त हुई है। इससे छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों के बीच अविश्वास को पाटने में मदद मिली है, जो लंबे समय से नकद लेन-देन के आदी थे।

डिजाइन का एक अन्य प्रमुख कार्य ग्राहक को यूपीआइ के लिए सेवा प्रदाता का विकल्प प्रदान करना है, भले ही ग्राहक का खाता किसी भी बैंक में हो। पसंद के अधिकार का अर्थ है कि ग्राहक भुगतान के लिए यूपीआइ तक पहुंचने के लिए अपना पसंदीदा भुगतान ऐप चुन सकते हैं।

यूपीआइ के साथ रुपे क्रेडिट कार्ड को जोड़ना डिजिटल भुगतान परिदृश्य में एक क्रांतिकारी कदम है, जो उपभोक्ताओं को क्रेडिट कार्ड और यूपीआई दोनों के लाभ देता है। यूपीआइ लेनदेन के लिए क्रेडिट कार्ड द्वारा दी जाने वाली अल्पकालिक क्रेडिट सुविधा का लाभ उठा कर, कार्डधारक अब अपने बचत खातों से धनराशि निकालने के बजाय अपनी क्रेडिट लाइनों का उपयोग करके भुगतान शुरू कर सकते हैं।

भारत का सुदृढ़ डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर यूपीआइ की सफलता के बाद, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) ने भुगतान प्रणाली को देश के बाहर ले जाने के लिए 2020 में एनआइपीएल (एनपीसीआइ इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड) नामक शाखा की स्थापना की। उसके बाद से एनआइपीएल और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने भारत की सीमाओं के पार यूपीआइ-आधारित लेनदेन का विस्तार करने के लिए 30 से अधिक देशों में वित्तीय संस्थाओं के साथ समझौते किये हैं।

हाल ही में, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका भी यूपीआइ गतिविधि में सम्मिलित हो गये। फ्रांस में यूपीआइ का प्रवेश महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है, जिसकी बदौलत उसको यूरोप में पहली बार पैर जमाने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स समूह में यूपीआइ के विस्तार की वकालत की है, जिसमें अब छह नये सदस्य देश हैं।

2016 में साधारण आरंभ के बाद, आज यूपीआइ का अभूतपूर्व रूप से उपयोग करने और उसकी स्वीकार्यता अपने आप में एक अनूठी दास्तान बन चुकी है, जो अपने दायरे और प्रभाव के संदर्भ में बेजोड़ है।

जमशेदपुर की खबरें

साकची जामा मस्जिद में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के साकची जामा मस्जिद कमिटी के प्रयास से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को मस्जिद परिसर में आयोजित शिविर में लगभग 50 से ज्यादा लोगों की जांच की गई, जिसमे ज्यादा तर असहाय लोग शामिल रहे। मस्जिद कमिटी के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की जायेगी। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को ज्यादा से ज्यादा की संख्या में उपस्थित होने की अपील की। इस अवसर पर अध्यक्ष फैज अहमद, सचिव जवादुल हसन सहित कमिटी के अन्य सदस्य शामिल रहे।

दो दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट के समापन समारोह में शामिल हुए विधायक

किसी भी खेल में हार और जीत होना तयः रामदास सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला विधानसभा स्थित काकदोहा में स्व० काकुली मुर्मू के स्मृति में जेजेपीएससी के द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। रविवार को समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामदास सोरेन शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों ने आदिवासी परंपरा के अनुसार ढोल नगाड़ा के साथ नित्य प्रस्तुत करते हुए विधायक को माला पहनकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक रामदास सोरेन ने मैदान में दोनों टीम की खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल में किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। मौके पर विधायक ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए खासकर ग्रामीण क्षेत्र में काफी प्रयास किया जा रहा है। विधायक श्री दास ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बुलंद करते हुए कहा किसी भी खेल में हार व जीत होना तय है। हारने ने वाले खिलाड़ी को कभी घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने दोनों टीम को बधाई देते हुए उत्साह के साथ खेलने की अपील की। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर झारखंड व देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में मुसाबनी प्रखंड के अंचलाधिकारी विजय कुमार महतो, झामुमो के केंद्रीय सदस्य कान्हु सामंत,पूर्व जिला पार्षद सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष बाघराय मार्डी व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन,मुखिया रामचंद्र मुर्मू व लखी मुर्मू, प्रखंड सचिव सोमाय सोरेन,झामुमो नेता लोबिन सबर, विक्रम मुर्मू,विराम मुर्मू समेत सैकड़ो ग्रामीण और खिलाड़ी मौजुत रहे।

फुटबाल टूर्नामेंट में शामिल हुए विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत लुआबासा फुटबॉल मैदान में दो दिवसीय पीएसएस संजय ट्रोफी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रविवार को टूनामेंट में मुख्य अथिति जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त व फुटबॉल में किक मार कर खेल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विजेता टीमों के बीच पुरुस्कार वितरण किया।प्रतियोगिता में प्रथम पुरुस्कार बोका जून्यर को 70 हजार, द्वितीय पुरुस्कार गुमती ब्रदर को 50 हजार,तृतीय पुरुस्कार टिक टोक को 30 हजार व चतुर्थ पुरुस्कार आरएसएफसी को 20 हजार का पुरस्कार सौप कर खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। मौके पर विधायक ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के टूनामेंट का आयोजन से खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा होने के साथ प्रतिभा भी सामने आती है। विगुनोधर गोप, रजत प्रसाद, राहुल लोहार, राजेश गोराई सहित सैकड़ो ग्रामीण शामिल रहे।उन्होंने आयोजकों की जमकर प्रशंसा भी की। मौके पर पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, रतन महतो, पंचायत समिति सदस्य संजय महतो, गोविंदो महतो, विक्रम सिंह, कृष्णा महतो, गुनोधर गोप, रजत प्रसाद, राहुल लोहार, राजेश गोराई सहित सैकड़ो ग्रामीण शामिल रहे।

जनता दरबार में सैकड़ों ग्रामीणों की समस्याओं से विधायक हुए अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधान सभा स्थित हाता के विधायक कार्यालय में जनता दरवार का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित जनता दरवार में विधायक संजीव सरदार उपस्तित रहे। विधायक ने दूर दरार से आये ग्रामीणों से बारी बारी से मुलाकात कर उन सभी की समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान विधायक संजीव सरदार ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान निकाले। इससे मौके पर ही जरूरतमंद ग्रामीणों को काफी राहत मिली। वही विधायक ने अन्य सभी समस्याओं का समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारी को दिशा निर्देश दी। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा पोटका के भोले भाले ग्रामीण एक धरती पुत्र को सेवक के रूप में काम करने का मौका दिए है। जनता की सेवा करना ही पहली प्राथमिकता है। विधायक ने कहा हेमंत सरकार में योजनाओं का लाभ पोटका विधानसभा क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा जनता दरबार में समस्या लेकर आए ग्रामीणों में कई लोगो का समाधान ऑन द स्पॉट निकाला गया। अन्य सभी जरूरतमंदों की समस्या के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। ताकि क्षेत्र में रहने वाले हर एक व्यक्ति को राहत मिल सके। उधर जनता दरवार में समस्याओ का समाधान निकल ने से दूर दरार गांव से आये सैकड़ो ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त की।

अर्पण परिवार ने ग्रामीणों संग दिवाली, छठ और कार्तिक पूर्णिमा मनाने का लिया संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर की सामाजिक संस्था अर्पण ने प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी दीपावली,छठ महापर्व और कार्तिक पूर्णिमा की त्योहारों के लिए बैठक की। रविवार को बैठक के दौरान सेवा कार्यों को सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा करते हुए संकल्प लिया। बैठक के दौरान प्रत्येक वर्षों की भांति बोड़ाम प्रखंड के ब्रजपुर गांव में जरुरतमंद परिवारो के बीच दीवाली एवं काली पूजा के लिए पूजन सामग्री, बच्चों के बीच नये कपड़े और गर्म कपड़े, पटाखे, मिठाई सहित अनेक प्रकार के उपहार प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। वही छठ महापर्व के लिए जमशेदपुर के दर्जन भर घाटों पर छठ व्रत धारियों व श्रद्धालुओं के बीच सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से शिविर लगाएं जाने पर सभी सहमति जताई। साथ ही कार्तिक पूर्णिमा में प्रत्येक वर्षों की तरह स्वर्णरेखा नदी के घाट पर श्रद्धालुओं के बीच अन्न दान (भोग) व अन्य सामग्री का सेवा प्रदान किया जाएगा। मौके पर महेश मिश्रा,तरनप्रीत सिंह खनूजा, विक्रम ठाकुर व अन्य ने अपने अपने विचारो को विस्तार से सभी के बीच रखा।बैठक का संचालन जूगुन पांडे और धन्यवाद ज्ञापन बिभाष मजुमदार ने किया। इस अवसर पर अखिलेश पांडेय, प्रिंस सिंह, दीपू कुमार, घनश्याम भिरभरिया, मनीष सिंह, संतोष यादव, बिट्टू मिश्रा, कौशिक प्रसाद, सुमन कुमार, सूरज बाग, शेखर मुखी, धीरज चौधरी, सरबजीत सिंह टॉबी, सौरव चटर्जी, सनोज चंद्र, शुभम लाल, विकास गुप्ता, सुदेश मुखी, बिट्टू मुखी, राजू कुमार, सूरज चौबे, मनू ढोके, मनोज हलदर, शुरू पात्रों, सूरज पाल, समर झा, हर्ष मूनका, शुभम, लख्खीकांतो घोष, विक्रम सिंह, प्रशनजीत महतो, राकेश भूमिज, विवेक मिश्रा, रामा राव, प्रणय दास, प्रवीण कुमार सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने एक साथ संकल्प लेकर सेवा कार्यों को सफल बनाने का निर्णय लिया।